



€ 174 Beroun - Rakovník

S75 Beroun - Rakovník - 17 Praha - Beroun - Rakovník

| Spisak izdanih, starih organizacije | | Vrijeme | | 2761 | | 2763 | | 2765 | | 2767 | | 2769 | | 2771 | | 2773 | | 2775 | | 2777 | | 2779 | | 2781 | | 2783 | | 2785 | | 2787 | | 2789 | | 2791 | | 2793 | | 2795 | | 2797 | | 2799 | | 2801 | | 2803 | | 2805 | | 2807 | | 2809 | | 2811 | | 2813 | | 2815 | | 2817 | | 2819 | | 2821 | | 2823 | | 2825 | | 2827 | | 2829 | | 2831 | | 2833 | | 2835 | | 2837 | | 2839 | | 2841 | | 2843 | | 2845 | | 2847 | | 2849 | | 2851 | | 2853 | | 2855 | | 2857 | | 2859 | | 2861 | | 2863 | | 2865 | | 2867 | | 2869 | | 2871 | | 2873 | | 2875 | | 2877 | | 2879 | | 2881 | | 2883 | | 2885 | | 2887 | | 2889 | | 2891 | | 2893 | | 2895 | | 2897 | | 2899 | | 2901 | | 2903 | | 2905 | | 2907 | | 2909 | | 2911 | | 2913 | | 2915 | | 2917 | | 2919 | | 2921 | | 2923 | | 2925 | | 2927 | | 2929 | | 2931 | | 2933 | | 2935 | | 2937 | | 2939 | | 2941 | | 2943 | | 2945 | | 2947 | | 2949 | | 2951 | | 2953 | | 2955 | | 2957 | | 2959 | | 2961 | | 2963 | | 2965 | | 2967 | | 2969 | | 2971 | | 2973 | | 2975 | | 2977 | | 2979 | | 2981 | | 2983 | | 2985 | | 2987 | | 2989 | | 2991 | | 2993 | | 2995 | | 2997 | | 2999 | | 3001 | | 3003 | | 3005 | | 3007 | | 3009 | | 3011 | | 3013 | | 3015 | | 3017 | | 3019 | | 3021 | | 3023 | | 3025 | | 3027 | | 3029 | | 3031 | | 3033 | | 3035 | | 3037 | | 3039 | | 3041 | | 3043 | | 3045 | | 3047 | | 3049 | | 3051 | | 3053 | | 3055 | | 3057 | | 3059 | | 3061 | | 3063 | | 3065 | | 3067 | | 3069 | | 3071 | | 3073 | | 3075 | | 3077 | | 3079 | | 3081 | | 3083 | | 3085 | | 3087 | | 3089 | | 3091 | | 3093 | | 3095 | | 3097 | | 3099 | | 3101 | | 3103 | | 3105 | | 3107 | | 3109 | | 3111 | | 3113 | | 3115 | | 3117 | | 3119 | | 3121 | | 3123 | | 3125 | | 3127 | | 3129 | | 3131 | | 3133 | | 3135 | | 3137 | | 3139 | | 3141 | | 3143 | | 3145 | | 3147 | | 3149 | | 3151 | | 3153 | | 3155 | | 3157 | | 3159 | | 3161 | | 3163 | | 3165 | | 3167 | | 3169 | | 3171 | | 3173 | | 3175 | | 3177 | | 3179 | | 3181 | | 3183 | | 3185 | | 3187 | | 3189 | | 3191 | | 3193 | | 3195 | | 3197 | | 3199 | | 3201 | | 3203 | | 3205 | | 3207 | | 3209 | | 3211 | | 3213 | | 3215 | | 3217 | | 3219 | | 3221 | | 3223 | | 3225 | | 3227 | | 3229 | | 3231 | | 3233 | | 3235 | | 3237 | | 3239 | | 3241 | | 3243 | | 3245 | | 3247 | | 3249 | | 3251 | | 3253 | | 3255 | | 3257 | | 3259 | | 3261 | | 3263 | | 3265 | | 3267 | | 3269 | | 3271 | | 3273 | | 3275 | | 3277 | | 3279 | | 3281 | | 3283 | | 3285 | | 3287 | | 3289 | | 3291 | | 3293 | | 3295 | | 3297 | | 3299 | | 3301 | | 3303 | | 3305 | | 3307 | | 3309 | | 3311 | | 3313 | | 3315 | | 3317 | | 3319 | | 3321 | | 3323 | | 3325 | | 3327 | | 3329 | | 3331 | | 3333 | | 3335 | | 3337 | | 3339 | | 3341 | | 3343 | | 3345 | | 3347 | | 3349 | | 3351 | | 3353 | | 3355 | | 3357 | | 3359 | | 3361 | | 3363 | | 3365 | | 3367 | | 3369 | | 3371 | | 3373 | | 3375 | | 3377 | | 3379 | | 3381 | | 3383 | | 3385 | | 3387 | | 3389 | | 3391 | | 3393 | | 3395 | | 3397 | | 3399 | | 3401 | | 3403 | | 3405 | | 3407 | | 3409 | | 3411 | | 3413 | | 3415 | | 3417 | | 3419 | | 3421 | | 3423 | | 3425 | | 3427 | | 3429 | | 3431 | | 3433 | | 3435 | | 3437 | | 3439 | | 3441 | | 3443 | | 3445 | | 3447 | | 3449 | | 3451 | | 3453 | | 3455 | | 3457 | | 3459 | | 3461 | | 3463 | | 3465 | | 3467 | | 3469 | | 3471 | | 3473 | | 3475 | | 3477 | | 3479 | | 3481 | | 3483 | | 3485 | | 3487 | | 3489 | | 3491 | | 3493 | | 3495 | | 3497 | | 3499 | | 3501 | | 3503 | | 3505 | | 3507 | | 3509 | | 3511 | | 3513 | | 3515 | | 3517 | | 3519 | | 3521 | | 3523 | | 3525 | | 3527 | | 3529 | | 3531 | | 3533 | | 3535 | | 3537 | | 3539 | | 3541 | | 3543 | | 3545 | | 3547 | | 3549 | | 3551 | | 3553 | | 3555 | | 3557 | | 3559 | | 3561 | | 3563 | | 3565 | | 3567 | | 3569 | | 3571 | | 3573 | | 3575 | | 3577 | | 3579 | | 3581 | | 3583 | | 3585 | | 3587 | | 3589 | | 3591 | | 3593 | | 3595 | | 3597 | | 3599 | | 3601 | | 3603 | | 3605 | | 3607 | | 3609 | | 3611 | | 3613 | | 3615 | | 3617 | | 3619 | | 3621 | | 3623 | | 3625 | | 3627 | | 3629 | | 3631 | | 3633 | | 3635 | | 3637 | | 3639 | | 3641 | | 3643 | | 3645 | | 3647 | | 3649 | | 3651 | | 3653 | | 3655 | | 3657 | | 3659 | | 3661 | | 3663 | | 3665 | | 3667 | | 3669 | | 3671 | | 3673 | | 3675 | | 3677 | | 3679 | | 3681 | | 3683 | | 3685 | | 3687 | | 3689 | | 3691 | | 3693 | | 3695 | | 3697 | | 3699 | | 3701 | | 3703 | | 3705 | | 3707 | | 3709 | | 3711 | | 3713 | | 3715 | | 3717 | | 3719 | | 3721 | | 3723 | | 3725 | | 3727 | | 3729 | | 3731 | | 3733 | | 3735 | | 3737 | | 3739 | | 3741 | | 3743 | | 3745 | | 3747 | | 3749 | | 3751 | | 3753 | | 3755 | | 3757 | | 3759 | | 3761 | | 3763 | | 3765 | | 3767 | | 3769 | | 3771 | | 3773 | | 3775 | | 3777 | | 3779 | | 3781 | | 3783 | | 3785 | | 3787 | | 3789 | | 3791 | | 3793 | | 3795 | | 3797 | | 3799 | | 3801 | | 3803 | | 3805 | | 3807 | | 3809 | | 3811 | | 3813 | | 3815 | | 3817 | | 3819 | | 3821 | | 3823 | | 3825 | | 3827 | | 3829 | | 3831 | | 3833 | | 3835 | | 3837 | | 3839 | | 3841 | | 3843 | | 3845 | | 3847 | | 3849 | | 3851 | | 3853 | | 3855 | | 3857 | | 3859 | | 3861 | | 3863 | | 3865 | | 3867 | | 3869 | | 3871 | | 3873 | | 3875 | | 3877 | | 3879 | | 3881 | | 3883 | | 3885 | | 3887 | | 3889 | | 3891 | | 3893 | | 3895 | | 3897 | | 3899 | | 3901 | | 3903 | | 3905 | | 3907 | | 3909 | | 3911 | | 3913 | | 3915 | | 3917 | | 3919 | | 3921 | | 3923 | | 3925 | | 3927 | | 3929 | | 3931 | | 3933 | | 3935 | | 3937 | | 3939 | | 3941 | | 3943 | | 3945 | | 3947 | | 3949 | | 3951 | | 3953 | | 3955 | | 3957 | | 3959 | | 3961 | | 3963 | | 3965 | | 3967 | | 3969 | | 3971 | | 3973 | | 3975 | | 3977 | | 3979 | | 3981 | | 3983 | | 3985 | | 3987 | | 3989 | | 3991 | | 3993 | | 3995 | | 3997 | | 3999 | | 4001 | | 4003 | | 4005 | | 4007 | | 4009 | | 4011 | | 4013 | | 4015 | | 4017 | | 4019 | | 4021 | | 4023 | | 4025 | | 4027 | | 4029 | | 4031 | | 4033 | | 4035 | | 4037 | | 4039 | | 4041 | | 4043 | | 4045 | | 4047 | | 4049 | | 4051 | | 4053 | | 4055 | | 4057 | | 4059 | | 4061 | | 4063 | | 4065 | | 4067 | | 4069 | | 4071 | | 4073 | | 4075 | | 4077 | | 4079 | | 4081 | | 4083 | | 4085 | | 4087 | | 4089 | | 4091 | | 4093 | | 4095 | | 4097 | | 4099 | | 4101 | | 4103 | | 4105 | | 4107 | | 4109 | | 4111 | | 4113 | | 4115 | | 4117 | | 4119 | | 4121 | | 4123 | | 4125 | | 4127 | | 4129 | | 4131 | | 4133 | | 4135 | | 4137 | | 4139 | | 4141 | | 4143 | | 4145 | | 4147 | | 4149 | | 4151 | | 4153 | | 4155 | | 4157 | | 4159 | | 4161 | | 4163 | | 4165 | | 4167 | | 4169 | | 4171 | | 4173 | | 4175 | | 4177 | | 4179 | | 4181 | | 4183 | | 4185 | | 4187 | | 4189 | | 4191 | | 4193 | | 4195 | | 4197 | | 4199 | | 4201 | | 4203 | | 4205 | | 4207 | | 4209 | | 4211 | | 4213 | | 4215 | | 4217 | | 4219 | | 4221 | | 4223 | | 4225 | | 4227 | | 4229 | | 4231 | | 4233 | | 4235 | | 4237 | | 4239 | | 4241 | | 4243 | | 4245 | | 4247 | | 4249 | | 4251 | | 4253 | | 4255 | | 4257 | | 4259 | | 4261 | | 4263 | | 4265 | | 4267 | | 4269 | | 4271 | | 4273 | | 4275 | | 4277 | | 4279 | | 4281 | | 4283 | | 4285 | | 4287 | | 4289 | | 4291 | | 4293 | | 4295 | | 4297 | | 4299 | | 4301 | | 4303 | | 4305 | | 4307 | | 4309 | | 4311 | | 4313 | | 4315 | | 4317 | | 4319 | | 4321 | | 4323 | | 4325 | | 4327 | | 4329 | | 4331 | | 4333 | | 4335 | | 4337 | | 4339 | | 4341 | | 4343 | | 4345 | | 4347 | | 4349 | | 4351 | | 4353 | | 4355 | | 4357 | | 4359 | | 4361 | | 4363 | | 4365 | | 4367 | | 4369 | | 4371 | | 4373 | | 4375 | | 4377 | | 4379 | | 4381 | | 4383 | | 4385 | | 4387 | | 4389 | | 4391 | | 4393 | | 4395 | | 4397 | | 4399 | | 4401 | | 4403 | | 4405 | | 4407 | | 4409 | | 4411 | | 4413 | | 4415 | | 4417 | | 4419 | | 4421 | | 4423 | | 4425 | | 4427 | | 4429 | | 4431 | | 4433 | | 4435 | | 4437 | | 4439 | | 4441 | | 4443 | | 4445 | | 4447 | | 4449 | | 4451 | | 4453 | | 4455 | | 4457 | | 4459 | | 4461 | | 4463 | | 4465 | | 4467 | | 4469 | | 4471 | | 4473 | | 4475 | | 4477 | | 4479 | | 4481 | | 4483 | | 4485 | | 4487 | | 4489 | | 4491 | | 4493 | | 4495 | | 4497 | | 4499 | | 4501 | | 4503 | | 4505 | | 4507 | | 4509 | | 4511 | | 4513 | | 4515 | | 4517 | | 4519 | | 4521 | | 4523 | | 4525 | | 4527 | | 4529 | | 4531 | | 4533 | | 4535 | | 4537 | | 4539 | | 4541 | | 4543 | | 4545 | | 4547 | | 4549 | | 4551 | | 4553 | | 4555 | | 4557 | | 4559 | | 4561 | | 4563 | | 4565 | | 4567 | | 4569 | | 4571 | | 4573 | | 4575 | | 4577 | | 4579 | | 4581 | | 4583 | | 4585 | | 4587 | | 4589 | | 4591 | | 4593 | | 4595 | | 4597 | | 4599 | | 4601 | | 4603 | | 4605 | | 4607 | | 4609 | | 4611 | | 4613 | | 4615 | | 4617 | | 4619 | | 4621 | | 4623 | | 4625 | | 4627 | | 4629 | | 4631 | | 4633 | | 4635 | | 4637 | | 4639 | | 4641 | | 4643 | | 4645 | | 4647 | | 4649 | | 4651 | | 4653 | | 4655 | | 4657 | | 4659 | | 4661 | | 4663 | | 4665 | | 4667 | | 4669 | | 4671 | | 4673 | | 4675 | | 4677 | | 4679 | | 4681 | | 4683 | | 4685 | | 4687 | | 4689 | | 4691 | | 4693 | | 4695 | | 4697 | | 4699 | | 4701 | | 4703 | | 4705 | | 4707 | | 4709 | | 4711 | | 4713 | | 4715 | | 4717 | | 4719 | | 4721 | | 4723 | | 4725 | | 4727 | | 4729 | | 4731 | | 4733 | | 4735 | | 4737 | | 4739 | | 4741 | | 4743 | | 4745 | | 4747 | | 4749 | | 4751 | | 4753 | | 4755 | | 4757 | | 4759 | | 4761 | | 4763 | | 4765 | | 4767 | | 4769 | | 4771 | | 4773 | | 4775 | | 4777 | | 4779 | | 4781 | | 4783 | | 4785 | | 4787 | | 4789 | | 4791 | | 4793 | | 4795 | | 4797 | | 4799 | | 4801 | | 4803 | | 4805 | | 4807 | | 4809 | | 4811 | | 4813 | | 4815 | | 4817 | |
|-------------------------------------|--|---------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|
|-------------------------------------|--|---------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|